

## सुरक्षति शहर परियोजना

**सुरक्षति शहर परियोजना** को लागू करने के लिये **दिल्ली** अब पूरी तरह तैयार है, इसका उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को बेहतर सुरक्षा प्रदान करना है।

### सुरक्षति शहर परियोजना:

- सुरक्षति शहर परियोजना **नरिभया फंड** के तहत **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** के सहयोग से संचालित **गृह मंत्रालय** की एक पहल है जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं के लिये एक सुरक्षति और सशक्त वातावरण बनाना है।
- यह परियोजना **दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ और बंगलूरु** सहित आठ मेट्रो शहरों में लागू की जा रही है।
  - इस परियोजना के तहत वीडियो एनालिटिक्स, AI, मशीन लर्निंग और फेसियल रिकॉग्निशन (चेहरे की पहचान) जैसी सुविधाओं से युक्त एक कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर के साथ-साथ CCTV कैमरे लगाए जाएंगे।
- परियोजना की लागत केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच 60:40 के अनुपात में साझा की जाती है।

### दिल्ली की परियोजना का दायरा:

- परचिय:
  - दिल्ली की परियोजना पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित है और दिल्ली पुलिस द्वारा उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक) के माध्यम से कार्यान्वयित की जाएगी।
  - सी-डैक (C-DAC) द्वारा रेलटेल (RailTel) तथा NEC इंडिया को क्रमशः सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें फीडर एवं मुख्य सर्वर से जोड़ने के लिये नियुक्त किया गया है।
  - इसके अतिरिक्त **मोबाइल डेटा टर्मिनलों, शरीर में पहने जाने वाले कैमरों (Body-Worn Cameras)** और अन्य सुविधाओं से लैस **88 प्रखर वैनो** को पूरे शहर में तैनात किया जाएगा।
- परियोजना के माध्यम से पुलिसिग और सुरक्षा को बढ़ाना:
  - दिल्ली में सुरक्षति शहर परियोजना एक पहल है जिसका उद्देश्य **AI-आधारित अनुप्रयोगों** का उपयोग करके शहर में पुलिसिग और सुरक्षा को बढ़ाना है।
    - परियोजना AI का उपयोग वास्तविक समय में भीड़ का आकलन करने, व्यवहार संबंधी लक्षणों और वसिगतियों का पता लगाने के लिये किया जाएगा।
    - आसन्न अपराध का संकेत देने वाले वचिलन के मामले में AI तुरंत पुलिस मुख्यालयों, ज़िला कार्यालयों और पुलिस स्टेशनों में कमांड और कंट्रोल सेंटरों को सूचित करेगा।
    - परियोजना का लक्ष्य पुलिस अधिकारियों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करके और उन्हें समय पर कार्रवाई करने में सक्षम बनाकर अपराध को रोकना है।
  - यह प्रोजेक्ट सभी की सुरक्षा और संरक्षा हेतु सही दिशा में एक कदम है।

### स्रोत: द हिंदू